ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

आनलाईन कक्षा में सबको स्वागत

कक्षा -६

हिन्दी

पाठ- 7

महान नरेंद्र

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए–

(क) 'सतत परिश्रम से सब कुछ साध्य हो सकता है।' परिश्रम का महत्व बताते हुए इस विषय पर अपने विचार प्रकट कीजिए। (**मूल्यपरक प्रश्न**)

मनुष्य के जीवन में परिश्रम का बहुत महत्व होता है।एसा कोई भी कार्य नहीं है जो परिश्रम से सफल न हो सके। श्रम से ही उन्नति और विकास का मार्ग खुल सकता है। आज के समय में जितने भी देश उन्नति और विकास के स्तर पर इतने ऊपर पहुंच गय हैं वे भी परिश्रम के बल पर ही पहुंचे हैं। परिश्रम से अभिप्राय होता है वो परिश्रम जिससे विकास और रचना हो।जो परिश्रम व्यर्थ में किया जाता है उसका कोई अर्थ नहीं होता है। परिश्रम के बिना किसी भी प्राणी का जीवन व्यर्थ होता है।

ख) नरेंद्र द्वारा कक्षा में कहानी सुनाने की घटना को अपने शब्दों में लिखिए।

एक बार नरेंद्र अपने साथियों को कहानी सुना रहे थे।उसी समय शिक्षक कक्षा में आकर पढ़ाना शुरू कर दिए। लेकिन कहानी सुनने में मग्न होने के कारण कोई भी शिक्षक के उपस्थित को जान नहीं पाए।जब शिक्षक का ध्यान उन पर गया तो शिक्षक उन्हें प्रश्न पुछते हैं, किन्तु नरेंद्र को छोड़ कोई भी उन प्रश्नों का उत्तर नहीं दे पाए। इसलिए शिक्षक नरेंद्र को छोड़ सभी को खड़े होने के लिए कहे। लेकिन नरेंद्र बैठे नहीं,वे सच्चाई का साथ देते हुए बोले कि वे ही कहानी सुना रहे थे।एसा था उनका सच्चाई के प्रति निष्ठा।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

भाषा ज्ञान

1. जो शब्दांश मूल शब्द के प्रारंभ में जुड़कर उनके अर्थ में परिवर्तन कर देते हैं, उन्हें उपसर्ग कहा जाता है।

उदाहरण–	उपसर्ग	+	मूल शब्द	उपसर्ग युक्त शब्द
	अ	+	शिक्षा	अशिक्षा
	अन्	+	आदर	अनादर

ध्यान रखें 'उपसर्ग' हमेशा शब्दों के प्रारंभ में जोड़े जाते हैं। उनका अपना स्वतंत्र प्रयोग नहीं होता, इनके प्रयोग से मूल शब्द का अर्थ बदल जाता है।

निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त उपसर्गों पर गोला ◯ लगाइए–

(क) सुसंस्कृत	–	(*i*) सु	(*ii*) सुस	(*iii*) उ	(*iv*) सुसस्
(ख) प्रखर	–	(*i*) प	(*ii*) र	(*iii*) प्र	(*iv*) प्रख
(ग) प्रसिद्ध	–	(*i*) प्र	(*ii*) प्रसि	(*iii*) प्रा	(*iv*) ध
(घ) सुलभ	–	(*i*) अ	(*ii*) सुल	(*iii*) स	(*iv*) सु

2. जो शब्दांश शब्दों के अंत में लगकर उनके अर्थ में परिवर्तन कर देते हैं, उन्हें प्रत्यय कहा जाता है।

उदाहरण– मूल शब्द	+	प्रत्यय	प्रत्यययुक्त शब्द
सब्जी	+	वाला	सब्जीवाला
श्रद्धा	+	आलु	श्रद्धालु

ध्यान रखें प्रत्यय का अपना विशेष अर्थ नहीं होता, इनका स्वतंत्र प्रयोग नहीं होता। शब्द के अंत में जुड़कर ये उनका अर्थ बदल देते हैं।

निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त प्रत्ययों पर गोला ◯ लगाइए–

(क) निर्भीकता	–	(*i*) कता	(*ii*) ता	(*iii*) आ	(*iv*) नि
(ख) धार्मिक	–	(*i*) क	(*ii*) इक	(*iii*) रमिक	(*iv*) ध
(ग) तैराकी	–	(*i*) ई	(*ii*) इ	(*iii*) आकी	(*iv*) की
(घ) सच्चाई	–	(*i*) आई	(*ii*) ई	(*iii*) अई	(*iv*) इ

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP